

प्रेस विज्ञप्ति

लोक भवन, राँची

दिनांक : 27 अक्टूबर, 2026 :-

- (1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज होटल रेडिसन ब्लू, राँची में यूनिसेफ द्वारा आयोजित 'Voices of Change Conclave 2026' को संबोधित करते हुए बाल पत्रकारों से अपने आसपास की समस्याओं को पहचानने, सही प्रश्न पूछने और उनके समाधान के लिए सकारात्मक पहल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब बच्चे अपने विचार व्यक्त करते हैं और समाज से जुड़े मुद्दों को सामने लाते हैं, तब वे सकारात्मक बदलाव के सहभागी बनते हैं। उनकी आवाज उन बच्चों की समस्याओं को भी सामने ला सकती है, जिन्हें अपनी बात कहने का अवसर नहीं मिल पाता।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि बाल विवाह, बाल श्रम, कुपोषण, शिक्षा से वंचित होना, बच्चों के साथ हिंसा तथा जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव जैसी चुनौतियाँ आज भी हमारे सामने हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी प्रयासों के साथ समाज की सोच और व्यवहार में बदलाव भी आवश्यक है। उन्होंने बाल पत्रकारों से समाचार एवं जानकारी

साझा करते समय तथ्यों की पुष्टि करने तथा संबंधित व्यक्तियों की गरिमा और संवेदनशीलता का ध्यान रखने का आग्रह किया।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि बच्चों की आवाज सुनना जितना जरूरी है, उनकी बातों को गंभीरता से लेकर समाधान के लिए उचित कदम उठाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उचित पोषण, स्वास्थ्य सुविधाएँ, सुरक्षित वातावरण और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। इसके लिए सरकार, प्रशासन, विद्यालय, परिवार और समाज को मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने शिक्षकों एवं अभिभावकों की भूमिका पर बल देते हुए बच्चों को प्रश्न पूछने, अपनी राय व्यक्त करने और समस्याओं के समाधान में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि बच्चों में संवेदनशीलता, विवेक, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का केंद्र भी है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत@2047' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए बच्चों और युवाओं को शिक्षित, स्वस्थ, कुशल एवं आत्मविश्वासी बनाना आवश्यक है। शिक्षा, नवाचार और कौशल विकास के अवसरों

का विस्तार देश के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण है। बाल पत्रकारों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि वे अपनी जिज्ञासा और संवेदनशीलता बनाए रखें, जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करें तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत करें। उन्होंने बच्चों से कहा वे अपने आप से कहे- “I have a great goal. I will work hard and I will achieve it.” उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बच्चों की लगन, मेहनत और दृढ़ संकल्प उन्हें सफलता की ओर ले जाएंगे।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज आइं हाउस, राँची में डॉ. राजश्री जयंती द्वारा लिखित पुस्तक 'नरेंद्र मोदी : आधुनिक भारत के शिल्पकार' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने लेखिका को पुस्तक की रचना के लिए बधाई देते हुए कहा कि वे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्रीय मंत्रिपरिषद में उनके साथ कार्य कर चुके हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री जी की कार्यशैली, दूरदर्शी सोच, निर्णय लेने की क्षमता और देश के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को निकट से देखा और समझा है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि सामान्य परिवार से देश के प्रधानमंत्री तक की श्री नरेन्द्र मोदी की जीवन-यात्रा परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प की प्रेरक मिसाल है। उन्होंने कहा कि सशक्त नागरिक ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करते हैं। आत्मनिर्भरता, नवाचार, सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय सुरक्षा और आधुनिक तकनीक जैसे विषय विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पुस्तक में इन समकालीन विषयों के माध्यम से भारत की विकास यात्रा और वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प को प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि आत्मनिर्भरता और नवाचार भारत की आर्थिक एवं तकनीकी प्रगति के महत्वपूर्ण आधार हैं। युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित कर नए उद्यमों और रोजगार के अवसरों का सृजन किया जा सकता है। वहीं, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और मूल्यों से जुड़े रहते हुए विज्ञान, तकनीक तथा वैश्विक सहयोग के क्षेत्रों में आगे बढ़ना भी आवश्यक है। राष्ट्रीय सुरक्षा और सेमीकंडक्टर जैसी आधुनिक तकनीकों में प्रगति भारत की सामरिक एवं तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने के साथ भविष्य के नए अवसर भी सृजित करती है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि किसी पुस्तक की सार्थकता इस बात में भी है कि वह पाठकों को सोचने, समझने और सकारात्मक विचार-विमर्श के लिए प्रेरित करे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि डॉ. राजश्री जयंती की यह पुस्तक अधिकाधिक पाठकों तक पहुँचेगी और समकालीन भारत के विभिन्न पहलुओं को समझने में उपयोगी सिद्ध होगी।
